

---

# Naradakritam 1 Narayana Stotram

---

## नारदकृतं १ नारायणस्तोत्रम्

---

### Document Information

---



---

Text title : Naradakritam 1 Narayana Stotram

File name : nAradakRRitaM1nArAyaNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, skandapurANa, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | vaiShNavakhaNDa | puruShottamakhaNDa | adhyAya  
20/26||

Latest update : May 5, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 5, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

नारदकृतं १ नारायणस्तोत्रम्

---



नारद उवाच ।

जय जय नारायण अपारभवसागरोत्तारपरायण  
सनकसनन्दनसनातनप्रभृति योगिवरविचिन्त्यमानदिव्यतत्त्व  
स्वमायाविलसिताध्यासपरिण मिताशेषभूततत्त्वत्रितत्त्व  
त्रिदण्डधर त्रिणाचिकेतत्रिमधुत्रिसुपर्णोपगीयमान-  
दिव्यज्ञान च्छन्दोमय स्वासनसुपर्णप्रिय भक्तप्रिय  
भक्तजनैकवत्सल स्वमायाजालव्यवहितस्वरूप विश्वरूप  
विश्वप्रकाश विश्वतोमुख विश्वतोक्षि विश्वतःश्रवण विश्वतः-  
पादशिरोग्रीव विश्वहस्तनासारसनात्वक्केशलोमलिङ्ग  
सर्वलोकात्मक सर्वलोकसुखावह सर्वलोकोपकारक  
सर्वलोकनमस्कृत लीलाविलसितकोटिपद्मोद्भव  
रुद्रेन्द्रमरुदश्विसाध्यसिद्धगणप्रणताशेषसुरासुरत्रिभुवनगुरो  
न कस्यापि ज्ञानगोचर नमस्ते नमस्ते ॥ २६ ॥

इति श्रीस्कन्दपुराणे वैष्णवखण्डे पुरुषोत्तमजगन्नाथमाहात्म्ये  
विंशाध्यायान्तर्गतं नारदकृतं नारायणस्तोत्रं समाप्तम् ।

स्कन्दपुराण । वैष्णवखण्ड । पुरुषोत्तमखण्ड । अध्याय २०/२६ ॥

skandapurANa . vaiShNavakhaNDa . puruShottamakhaNDa . adhyAya  
20/26..

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on May 5, 2025

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

